Hindi Murli Quiz 18-02-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **यहाँ तो बिल्कुल सिम्पुल रीति समझाते हैं-**

A. भगवानुवाच, मुझे याद करो, मैं ही पतित-पावन हूँ ।

B. भगवानुवाच, तुम हो स्वदर्शन चक्रधारी ।

C. भगवानुवाच, कभी भी कृष्ण को वा ब्रह्मा, विष्णु, शंकर आदि को पतित-पावन नहीं कहेंगे ।

Q.2) **बच्चों को__ तू आत्मा बनाने के लिए ऐसे-ऐसे जो गीत हैं वह सुनाकर फिर उसका अर्थ करना चाहिए तो वाणी खुलेगी ।**

A. योगी

B. ज्ञानी

Q.3) **भोलानाथ भगवान कहने से क्या होता है ?**

A. कुछ भी कृपा आदि करवा सकते हैं |

B. बुद्धि ऊपर चली जाती है ।

C. मन शांत हो जाता है |

Q.4) **7 दिन की भट्ठी । कोई भी नया आता है तो उसे 7 दिन के लिए भट्ठी में बिठाओ जिससे बुद्धि का किचड़ा निकले और __ बाप, __पढ़ाई और __वर्से को पहचान सके ।**

A. ऊँच

B. बेहद

C. गुप्त

Q.5) **तुम बच्चों ने साक्षात्कार किया है-कैसे वहाँ जन्म होता है, वह भी साक्षात्कार किया है, परन्तु क्या तुम उसका फोटो निकाल सकते हो? एक्यूरेट कोई निकाल न सके । दिव्य दृष्टि से सिर्फ देख ही सकते हैं, बना नहीं सकते, हाँ देखकर वर्णन कर सकते हो, बाकी वह पेन्ट आदि नहीं कर सकते । भल होशियार पेन्टर हो, साक्षात्कार भी करे तो भी एक्यूरेट फीचर्स निकाल न सके ।**

A. True / ये वाक्य सही है

B. False / ये वाक्य गलत है

Q.6) **जहाँ सर्वशक्तियां हैं वहाँ निर्विघ्न सफलता साथ है ।**

A. सही

B. गलत

Q.7) **अभी पतित-पावन बाप सम्मुख में आकर कहते हैं मुझे याद करो तो तुम्हारे विकर्म विनाश हो जाएं । गैरंटी है । गीता में भी लिखा हुआ है ,तुम गीता का यह मिसाल दे समझा सकते हो ।**

A. True / ये वाक्य सही है

B. False / ये वाक्य गलत है

Q.8) **सही वाक्यों का चयन करें |**

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. सदैव हर्षित रहने के लिए नथिंगन्यु का पाठ पक्का करना है ।

B. ज्ञान के अच्छे- अच्छे गीत सुनकर स्वयं को रिफ्रेश करना है ।

C. इन्हों ने बड़े पार्ट बजाये हैं क्योंकि भट्ठी में बच्चों को बहलाना था । तो साक्षात्कार से बहुत- बहुत बहले हैं । बाप कहते हैं फिर पिछाड़ी में बहुत बहलेंगे ।

Q.9) **अकाल तख़्त क्या है ?**

A. आत्मा

B. विश्व महाराजन

C. भृकुटी

D. ब्रह्मा

Q.10) **बाकी जो जास्ती धारणा नहीं कर सकते हैं उनके लिए बाप कहते हैं**

A. घर बैठे स्वदर्शन चक्र फिराते रहो |

B. अपनी याद से बुद्धि को सोने जैसा पवित्र बनाओ |

C. घर बैठे बाप को याद करते रहो ।